

ये भवेभनः पूवउयः

भदमेवभतुः शुष्टु उ

वउउरुगायविमत्रि ।

दि<sup>\*</sup> मेवंविभसुभ

णियेविरभत्रिमचउ ।

उउदुउमनमः भुतिक

मपुरः कमभुतिसुन

ॐ यैः सूक्तं कषायं

भंभेवयद्रुयिविनेति

धनुःयकिं ठङ्गिण

नः परमदंभगतेल

ठङ्ग २३ ति उक्त

५०  
३३  
९९

निचियरु भुमरूपुल्ल

मिथालि लमयंमिरु

व गुरुसु भवंदुमेवम

गुल्ले विगुल्ल सुकुमत्र

वृद्धमभूपिभनेवमभ

निरुत्तम ५० वैतेगुल्ल

नगुल्लि वैभल्लममये

पु.  
सं.



ऊपे उमे भमभती उव  
वेमभं पुचीरुङ्गवि  
वनमाटुमङ्गपकभृ  
युङ्गः भमभं भुळयत्  
विमिन्नतेवं येगेन वक्रि  
भिवमभधुन त्रुतः भृ  
उ। म. वं वायुगुग्निव



मकमः॥३॥मममममः॥  
इषमेविक॥वेइवडी  
विउभुमवममनगव  
दन॥मडीधडिवडा  
मप्रीभुमदुऊडव  
लिनी॥रकमदुःभा  
दभदुडीभुमेन्लिङ्ग  
मालिनी॥मेनमेन्लि  
यडाकमभुदुडयड

कहिनी ॥ पडा किनीर  
यगभुविथाड्डीपाड  
भधिय ॥ यगपाकल  
कडुत्रिमडिमेदुस  
यिनी ॥ पेड्डीभाडेसा  
मीवड्डीकेनगीजल  
वभिनी ॥ उड्डीकगव  
डीमडिः कभठेउर  
यवडी ॥ वड्डीवड्डी

८  
८  
८



दभुमः श्रीमः यथा  
भा॥ गेरी प्रवल्बल  
यभिः डिमं दगः कः रि  
नी॥ एकनेकभदे  
दुममउवः रुद्रदु  
८॥ कः रुद्रपः उद्र  
धद्रुद्रभवभिनी॥  
धद्रुद्रेदिनीमृभ  
कयभुः कयवलिः



भुक्तिभुभापीकभ  
 भुलपदतिरीशुगी॥म  
 हयवद्वलमपुन  
 धाउपवडिनी॥१३॥  
 नीलभित्तमृभादक  
 पीठमकवर॥१४॥  
 मृदुलगंवापुत्रम  
 कमललया॥कल  
 कधुभद्रमनिमे॥

क.  
 म.  
 ०४

१५  
धकलउ, पि॥ भुके  
लुभननभयक  
नवडीभ॥ गउपि  
यभुगउमभयम  
मभनेगतिः॥ भोगन  
किमेगलीमकदु  
गभेमपि॥ धरु  
येनिः भुकेमीमभुलि  
इठगउ, पि॥ येनि



भद्रभद्रभद्रपिमरी।  
 पगगभिनी॥ भद्रमी  
 भद्रवीवल्लीभद्रभद्र  
 भद्रभद्र॥ भद्रभद्रभद्र  
 दभद्रभद्रभद्रभद्र  
 भद्रभद्र॥ भद्रभद्रभद्र  
 भद्रभद्रभद्रभद्रभद्र  
 भद्रभद्रभद्रभद्रभद्र  
 भद्रभद्रभद्रभद्रभद्र

८०  
 ८१  
 ८२



भुधिया ॥ भुवे नीयम्  
दभुमभक्तुदगविकु  
ध ॥ कदुगभेरुनि  
सुभयध्मिनीयम्भ  
क्तिग ॥ पद्धिनीमत्  
दभुमभक्तुदनीयम्भ  
धायुण ॥ माधिल्ली  
धमदभुमभक्तिमल  
वगणिल्ली ॥ भुव ॥

मक्तिरुभमभयुरवरवदन ॥  
 वरयपपगवीरवीरपानभ  
 मैकुल ॥ वभणवभण  
 रामरायमकभूरीमि  
 व ॥ विरायमरायनी  
 मभुभिनीमदुनमिनी ॥  
 मनुचडीवेममक्तिवरम  
 वरारि ॥ मीउलम  
 भुमीलमवलगरु  
 विरामिनी ॥ कुभगीम



भुपचमकभाष्टकभ  
वक्रिउ॥ एलनुगणननु  
कभद्रुपनिवभिनी॥ क  
भनीएवगीभद्रुभद्रुपद्रु  
पद्रुवाण॥ भुलभाज  
भिरुभद्रुभद्रुवद्रुप  
नेपिनी॥ धर्मेनमरिक्के  
॥ रिनेद्रुपभद्रुगी॥  
वधभिरुवधद्रुभ  
किधभरुपभिरुनी॥ भ



भृगुदत्तभृगुपुत्रीपुत्र  
 वकभत्रिभृ॥ कपालकृष्ण  
 कलीकपालभाला  
 रिनी॥ कपालकृष्णमी  
 ज्जमिवज्जरीयनप्रतिःभि  
 क्षिप्तवृक्षिप्तनिष्ठभृभ  
 जपूत्रेपिनी॥ कधुग्रीविव  
 भभगीमुकुटयदाल  
 य॥ रागद्वन्द्वकृष्णलीनी  
 दुरागाकवसायिनी॥ पू

४.  
 म.  
 ०१

लभइ पुपद्ममनदिनल  
भुलिनी ॥ भुलापग  
निगकगवदिकडरुडल  
य ॥ वयुक्तडभापभीक  
निगपगनिगमूष ॥ शुभे  
सुभगतिल्लीवगदिनी  
मदुभेमय ॥ वल्लीउनुभ  
भुनपदुभाभुनलैल  
प ॥ उपधुनीउपभिदि  
उपभाभिदिगयिनी ॥ उ



येनिभ्रातृपुत्रकृतमभीष्ट  
 उद्यधिव ॥ मधुपुत्रमयी  
 भुविः मधुपुत्रकृतमयी ॥  
 मेरुपुष्टिभवनमुष्टिपत्र  
 ध्रुवलेख ॥ उद्यधिवैह  
 भातृमधुपुत्रमयीः भूव  
 उी वैह वैहमिदिकृतमभु  
 पष्टुगैगनमिनी ॥ भगव  
 भगवत्भगवत्भगवत्भगवत्  
 लेखन ॥ वगुगवत्भगवत्

८.  
 म.  
 ०३



हाथीभक्तलहलहलम  
 ललह॥ वरिणीभुपवाम  
 पतिपमापनिवृत्तिः॥ पु  
 कगवलयावीरभदामम  
 देहते॥ पंधमीमिधमीमकि  
 मोदकेमीभुलेभय॥ ललि  
 उभंभलाजीवेरुवेरुपुण  
 ॥ नरभदवभउमनभुभु  
 भिदुध॥ मुकरीदगतिःम  
 गीमतिकमकठविनी॥ म  
 गीगफरीविष्टवन॥ वर  
 मिग॥ वरुदीः॥ लसामंभे

क.  
 भ.  
 पु.



मेदिमुनिमीदिगिदिगिगिसा॥  
मुदहमिदहगवलभायव॥  
लिधिया॥मुद्ववभभिणीनी  
मभुमुद्वमुद्वमेव॥भउभ  
उभकीउधिःपिउभउपिउ॥  
भकी॥मुपमेदिदि॥पुश्रीके  
श्रीश्रीमिसाधिया॥भनऊभन॥  
ऊगपविसुयेनिभनवृयी॥मिसु  
मुद्वगपेल्लमेलश्रीमुद्विनि  
नी॥उचमीकमलीकेकविमि॥  
पमिपिवरिनी॥पदुद्वगवि॥  
॥पदुव॥पुसुवविनी॥ल



द्वागदित्तनानीमइयधुठिणवगी  
 एणिलमएणिलवभूमत्रउवन  
 ववस्ररु ॥ सुगएसुगीः श्रीति  
 गभिरातिवठिनी ॥ पादुवउगति  
 द्वित्रपादुलेफमयणर ॥ पादु  
 भिउवगीमकिपादुभनविठवि  
 नी ॥ उरुक्रमकधभृजीवदिः प्र  
 भविनीदृष्ट ॥ गएः सरुणामु  
 किलगयजठुणगिनी ॥ रिक्क  
 लहृशिलिद्रिभुतिभिप्रवमि  
 नी ॥ सुगगामिवइयकभर  
 इउगगिनी ॥ प्रसुवपीप्रति

६  
 भ.  
 ३५

लपटी। पदवती आ  
वेभूतपुवदुमभापु  
डी। कहुभनरगदु  
दीवदुभाकदिवेवगी

दिवनभाकदिवेवदु  
भापुए। कालका  
कुलविदुमभकुलकुल  
भुदिवः। कालमदुइमा  
इवुविदुमाइमनामिनी  
वदुलीमेपमालमसु



मङ्गलीतिः स्त्रिया वती ॥  
मङ्गुतिभुति ॥ श्रीमङ्गुम  
ङ्गुतिभुगय ॥ ॥ श्री  
वृद्धकृकिनीगङ्गयभ  
वृद्धमङ्गुती ॥ गङ्गव

मवपङ्कपावपिङ्गु॥ वर्योव  
विभुङ्ककङ्कववविभै  
मिनी॥ मङ्गलपलङ्गवि  
दुम्भङ्कववविभैदिनी॥ १  
भुङ्कभुङ्कलिकमभुभुङ्क  
भुङ्कभुङ्कलिकमभुभुङ्क  
कुलविभुङ्कमभुङ्कलिकल  
भुङ्कभुङ्कलिकमभुभुङ्क  
भुङ्कभुङ्कलिकमभुभुङ्क  
भुङ्कभुङ्कलिकमभुभुङ्क



वृक्षिभ्रभ्रवचिनी ॥ चक  
 रमऽकरमउकैकरु  
 धि॥ ॥ ह्रीकरोत्रोरुप  
 मल्लीकरधुवभिनी ॥  
 भवक्षमभयीमक्तिरक्ष  
 वलभालिनी ॥ भिद्रुगरु  
 ॥ वलमभिद्रुगिलक  
 भिद्रा ॥ वसुमवसुनीरु  
 मलीकवसुविह्विनी ॥  
 पवसुसुभैभैवसुवसु

मनन ॥ कगलविकगलमये  
रपुवुगनकिनी ॥ रकपुत्रेवकेमी  
मचवुककभभन ॥ कमयुगे  
पलभमकमीरेकुभभिय ॥  
कुतिवकुमुवलमभतिः वकुमु  
वलम ॥ भयदिनीवगरेकभभ  
उदगभिनी ॥ दंभदंभगतिदे  
भीदंभीदुलमिरेक ॥ पुनस  
मुभापिसुभभिय ॥ सुभभ  
ककुल ॥ भयदीनलीनलीन  
भलीनलीनलीनलीन ॥ मदिमु  
मुदकनलीनलीनलीनलीन



३॥ कुरुकेतुवतिः कसीमभुग  
 काकुवतिक॥ मयेष्टुप्रकभा  
 यगीरुगीरुकराधिया॥ रिप्रका  
 प्रमेयमकेसभूकेसवभिनी  
 केमिकेउकुमावउकेसभूके  
 सवचिनी॥ केसरपद्मकेसाही  
 कुमुभाकुमुभधिया॥ गेलपाउ  
 लकेतिः कुरुभूकेएगम्या॥  
 भुयभूस्तभुउपगभुपगुपव  
 चिनी॥ गेलभिनीभुहिहयचल  
 सचलदयिनी॥ मरुकेसीम  
 लवउवद्विभूममममदिक॥

६.  
 म.  
 ३६



मन्त्रादन्तराभौधु विमैकमैक  
नामिनी॥ भाषिकीभुभंभुभग  
एभीमभैक॥ उमभीमभै  
युक्तग... इयविठविनी॥ सुवृक्त  
वृक्तपामवेकवेसृपामभुवी॥  
मङ्कगकलिनीकलभनभङ्क  
लभनति॥ भचलैकभयीमति  
भचम्व... गैमग॥ भचलनव  
निवाङ्कभचउववैतिनी॥ एय  
मिदभुधभिभुधचभुङ्गीवि  
क॥ इममचगतिमत्रभदिग  
मिदविनी॥ पचकुभिःपच



पश्यन्मनकरेहृत् ॥ सुप्रल  
 न...नेरमकिाहिम्वक्रुठधिनी  
 सुमप्रगमीछगमहामीहि  
 उपलिङ्ग ॥ नगवल्लीनगकट  
 हेगिनीहेगवल्लठ ॥ भवमाभु  
 वगीविहृभभुगिपमवकिनी ॥  
 मूतिःमूतिगट्टेभूमेभूपर  
 लवभिनी भीमंभाउकविहृ  
 मभुठकिठकवमल ॥ भुनकि  
 वपएनतिः गभीगठववलिङ्ग  
 नयापमणभुगिगापनगक  
 कुल ॥ भमभुपमभुभुभुभुके

निवभिनी॥ मचमत्रुमयीविहृम  
 वमत्रुहृगवलि॥ मप्रभुवभुव  
 जीमहृमगीहृमगलक॥ मत्रुम  
 हुलमहृममत्रुमहुलवभि  
 नी॥ कृमपएवनीरुगमभापी  
 एगवभिनी॥ मरीरविहृमत्रु  
 मरुविनीभोतिमाहृम॥ मचमो  
 एवगीयुक्तिगदपपरि॥ भिनी॥  
 निवत्रंपाहृमत्रुमचमगमत्रु  
 रिनी॥ मरुगमगदवगीविग  
 दगदवलि॥ गेदिनीहृमि  
 गहृमकलहृकलवत्रिनी॥ कल



कृगदित्तनीमइयधिदिवावरी  
 एलीकमलीकवभूमत्रउतन  
 ववस्रठ॥ सुएसुगीः श्रीति  
 गभिरगविवचिनी॥ पाद्ववाउगति  
 द्वित्रपाद्वस्रेफमयण॥ पाद्व  
 भिउवरीमकिपाद्वभूतविठवि  
 नी॥ उरुहमकधभृजीचदिःध  
 भविनीहृद॥ गलः मरुणभसु  
 किलगयुजठणगिनी॥ रिक्  
 लहइलिहइभृतिभृप्रवमि  
 नी॥ सुगगमिवइमकभ  
 इउगगिनी॥ प्रहृवपीप्रहृ

६  
 म  
 ३५